(30)

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 15, 2004/पौष 25, 1925

No. 61] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 15, 2004/PAUSA 25, 1925

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 2004

का.आ. 77(अ).—केन्द्रीय सरकार, संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 (1950 का 12) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करने का निदेश देती है, अर्थात् :—

संप्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग निवारण) अधिनियम, 1950 की अनुसूची में क्रम संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित जोड़ा जाएगा अर्थात् :—

"24" श्री सत्य साई सेन्ट्रल ट्रस्ट का नाम और उसके दो संप्रतीकों का वर्णन नीचे किया गया है :

(i) इसके बीच में कमल के फूल जैसी ज्वाला है जो सभी दिशाओं में सद्भावना की रोशनी फैला रही है। पांच सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों—सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम और अहिंसा को बाहरी वृत्त में रखा गया है। ये सार्वभौमिक मूल्य सभी आस्था और विश्वासों में पाए जाते हैं। संप्रतीक का कोई विशिष्ट रंग अनुबंध नहीं है।

(ii) यह संप्रतीक सर्वधर्म प्रतीक (सभी धार्मिक प्रतीकों की समानता का प्रतीक) है। यह विश्व के प्रमुख धार्मिक संप्रतीकों—संस्कृत/देवनागरी में ओउम (हिन्दु और सिक्ख), क्रास (ईसाई), अर्धचन्द्र और तारा (इस्लाम), अग्नि (पारसी) और चक्र (बौद्ध और जैनियों द्वारा पूजे जाने वाले धर्म चक्र) को दर्शाता है। सभी चिह्नों को वृत्त में रखा गया है जो उनकी एक समानता का द्योतक है। बीच के वृत में कमल के फूल जैसी ज्वाला है जो शुद्धता, सद्गुण और वैशिष्टय की सूचक है। इस संप्रतीक को विभिन्न रंगों में प्रयोग किया जाता है और अधिकारिक तौर पर इसके लिए कोई विशिष्ट रंग अधिसूचित नहीं किया गया है।

[मिसिल सं. 23/(6)/आई टी/2003]

डी.के. मुखोपाध्याय, आर्थिक सलाहकार

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Consumer Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 2004

S.O. 77(E).—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950 (12 of 1950), the Central Government hereby directs the following amendments in the Schedule to the said Act, namely :—

In the Schedule to the Emblems and Names (Prevention of Improper Use) Act, 1950, after serial number 23 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

"24" The name of Sri Sathya Sai Central Trust and its two emblems described below :

(i) In the middle, it has a lotus flame that is spreading light of goodwill in all directions. Five universal human values—Truth, Right Conduct, Peace, Love and Non-violence are placed in the outer circle. These are universal values that are common to all faiths and beliefs. The emblem has no specific colour stipulation.

(ii) This emblem is a Sarvadharma (multi-religious) Symbol and equality of all religions symbol. It depicts symbols of major world religions—Om-in Sanskrit/Devnagri (Hinduism and Sikhism), Cross (Christianity), Crescent & Star (Islam), Fire (Zoroastrianism), and Wheel (Dharma Chakra revered by Budhists & Jains). All signs are placed in a circle signifying their equality. In the middle circle, there is a Lotus Flame that signified Purity, Virtue and Character. This emblem is used in various colours and no specific colour is officially notified.

[F. No. 23/(6)/IT/2003]

D.K. MUKHOPADHYAY, Economic Adviser

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.